भाषा विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत डिप्लोमा सत्रीय कार्य

संस्कृत

जमा करने की अन्तिम तिथि 15 मई 2013

कोर्स शीर्षक-गद्य,काव्य, अलंकार एवं छन्द **कोर्स कोड** -ईएसएल -04

ग्रीष्मकालीन सत्र 2012-13 **अधिकतम अंक** -40

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1 लाटानुप्रास तथा यमक अलंकारों के लक्षणोंदाहरणों की विवेचना कीजिए ।
2 रूपक एवं उत्प्रेक्षा अलंकार की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।
3 शब्दालंकार तथा अर्थालंकार में भेद स्पष्ट कीजिए ।
4 इन्द्रवज्रा एवं उपेन्द्रवज्रा छन्दों के लक्षण उदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
5 काव्य में अलंकार के महत्व को बताइए ।
6 उपमा और उत्प्रेक्षा के अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।
7 अपरिणामोपशमो दारूणो लक्ष्मीमद:,इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए ।
8 वंशस्थ छन्द का लक्षण उदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड 'ख '

1. शुकनासोपदेश के आधार पर गुरू के उपदेश के महत्व पर प्रकाश डालिए।
2. महाकवि बाण की गद्य शैली की विशेषताऐं बताइए ।
3. दस अर्थालंकारो के लक्षण उदाहरण विवेचित कीजिए ।
4. लक्ष्मी के दोषों का निरूपण कीजिए